CBSE Class 07 Hindi
NCERT Solutions
पाठ-11 रहीम के दोहे

1. पाठ में दिए गए दोहों की कोई पंक्ति कथन है और कोई कथन को प्रमाणित करनेवाला उदाहरण। इन दोनों प्रकार की पंक्तियों को पहचान कर अलग-अलग लिखिए।
उत्तर:- उदाहरण वाले दोहे
तरवर फल नहिं खात है, सरवर पियत न पान।
कहि रहीम परकाज हित, संपति-संचहि सुजान।।

थोथे बादर क्वार के, ज्यों रहीम घहरात।
धनी पुरुष निर्धन भए, करें पाछिली बात।।
धरती की-सी रीत है, सीत घाम औ मेह।
जैसी परे सो सहि रहे, त्यों रहीम यह देह।।

कथन वाले दोहे

जाल परे जल जात बहि, तजि मीनन को मोह।
रहिमन मछरी नीर को, तऊ न छाँड़ति छोह।।

कहि रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत।
बिपति कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत।।

2. रहीम ने क्वार के मास में गरजनेवाले बादलों की तुलना ऐसे निर्धन व्यक्तियों से क्यों की है जो पहले कभी धनी थे और बीती बातों को बताकर दूसरों को प्रभावित करना चाहते हैं? दोहे के आधार पर आप सावन के बरसने और गरजनेवाले बादलों के विषय में क्या कहना चाहेंगे?
उत्तर:- क्वार के मास में गरजनेवाले बादल केवल गरजकर रह जाते हैं, बरसते नहीं हैं ठीक उसी प्रकार जो पहले कभी धनी थे और वे अपनी बीती बातों को बताकर दूसरों को प्रभावित करना चाहते हैं, वे केवल व्यर्थ में बड़बड़ाकर रह जाते हैं। इसलिए कवि ने क्वार के मास में गरजनेवाले बादलों की तुलना ऐसे निर्धन व्यक्तियों से की है,जो व्यर्थ में संपन्न होने का दिखावा करते है जबकि सावन के बादल गरजने के साथ बरसते भी हैं और लोगों को तृप्त करते हैं।

3 .नीचे दिए गए दोहों में बताई गई सच्चाइयों को यदि हम अपने जीवन में उतार लें तो उनके क्या लाभ होंगे? सोचिए और लिखिए -
क) तरुवर फल..................सचहिं सुजान।।

उत्तर:- इस प्रकार की सच्चाई अपनाने से हमारे मन से लोभ की भावना नष्ट हो जाएगी और हम परोपकार की ओर अग्रसर होंगे और हमारा मनुष्य जीवन सार्थक होगा।

ख) धरती की-सी..................यह देह।।
उत्तर:- इस सच्चाई को जीवन में उतार लेने से हमारे जीवन में सहनशीलता की भावना का जन्म होगा।धरती के समान जब हम सुख और दुःख दोनों को ही सहजता से लेंगें तभी जीवन -यापन सरल हो पाएगा।

• भाषा की बात
4. निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित हिन्दी रूप लिखिए -
जैसे - परे-पड़े (रे, ड़े)
बिपति बादर
मछरी सीत
उत्तर:-

शब्द	शब्दों के प्रचलित हिन्दी रूप
बिपति	विपत्ति
मछरी	मछली
बादर	बादल
सीत	शीत

5. नीचे दिए उदाहरण पढ़िए -
क) बनत बहुत बहु रीत।
ख) जाल परे जल जात बहि।
उपर्युक्त उदाहरणों की पहली पंक्ति में 'ब' का प्रयोग कई बार किया गया है और दूसरी में 'ज' का प्रयोग। इस प्रकार बार-बार एक ध्वनि के आने से भाषा की सुंदरता बढ़ जाती है।
वाक्य रचना की इस विशेषता के अन्य उदाहरणों में खोजकर लिखिए।
उत्तर:- 1. संपत्ति संचहि सुजान।
2. काली लहर कल्पना काली, काल कोठरी काली।
3. चारू चंद्र की चंचल किरणें।